संगम Impact Factor : 4.553 Website : www.ginajournal.com ISSN : 2321-8037 SANGAM
A Peer Reviewed International Refereed Journal विशेषांक–समकालीन हिन्दी साहित्य और विमर्श Vol. 11, Issue 4
गीना देवी शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित साहित्य, शिक्षा, संस्कृति एवं शोध को समर्पित मासिक

Page 3-4

अध्यक्ष की कलम से

साहित्य समाज का दर्पण होता है। जो कुछ समाज में घटित होता है उसकी झलक ही साहित्य में प्रतिबिम्बित होती है। एक सफल साहित्यकार तत्कालीन परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। समाज में जो कुछ उसे दृष्टिगत होता है उसकी अभिव्यक्ति ही वह अपनी लेखनी के माध्यम से साहित्य की विभिन्न विधाओं में करता है। इसी प्रकार समकालीन हिन्दी साहित्य में व्याप्त विभिन्न विमर्शों चाहें वह सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक विमर्श हो या दलित, आदिवासी, किन्नर, नारी या किसान विमर्श आदि ने साहित्य तथा समकालीन मानव को समझने की केवल नवीन दृष्टि ही नहीं प्रदान की अपितु उनके लिए नए जीवन आदर्श स्थापित कर उनकी समस्याओं, संवेदनाओं, संघर्षों, अस्मिता व अधिकारों के प्रति जागरूक कर उसे संघर्षशीलता भी प्रदान की है। इस संघर्षशीलता को उकेरना ही इस सेमिनार का प्रमुख ध्येय रहा।

यह हमारे लिए अत्यंत हर्षानुभूति का विषय रहा कि हमारे महाविद्यालय राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कॉलेज, गाज़ियाबाद एवं गीना देवी शोध संस्थान, भिवानी के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, 24 अप्रैल 2023 को 'समकालीन साहित्य एवं विमर्श' विषय पर आयोजित हुआ। इस सेमिनार में देश–विदेश के सभी हिन्दी प्रेमियों व विद्वानों ने अपने शोधालेखों के माध्यम से 'समकालीन हिन्दी साहित्य एवं विमर्श' से संबंधित

अपने विचारों से हमको लाभान्वित किया, ताकि भविष्य में हम इसका सदुपयोग कर सकें। जिसके लिए हम उनके आभारी रहेंगे।

सेमिनार आयोजकों के संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया कि सेमिनार में प्रस्तुत शोध आलेखों का प्रकाशन 'संगम' पत्रिका के विशेषांक के रूप में किया जायेगा। यह विशेषांक हिन्दी विद्वानों, हिन्दी प्रेमियों, साहित्यकारों आदि विद्वतजनों के लिए मील का पत्थर सिद्ध हो सकें, ऐसी कामना हम करते हैं।

प्रस्तुत सेमिनार के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु गीना देवी शोध संस्थान परिवार के सचिव डॉ. नरेश सिहाग एडवोकेट जी के निःस्वार्थ सहयोग तथा संस्थान की संरक्षिका डॉ. रेखा सोनी जी के सहयोग हेतु मैं हृदय की गहराइयों से उनका आभार व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने हमारे महाविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से सेमिनार करने तथा इस विशेषांक का संपादक बनने का अवसर मुझे प्रदान कर अनुगृहीत किया है। इस संगोष्ठी के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु मैं हमारे महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की डॉ. अंशु बत्रा एवं डॉ. आंचल कुमारी के योगदान हेतु उनको बधाई व शुभकामनाएँ देती हूँ।

आशा है कि प्रस्तुत सेमिनार प्राध्यापकों, प्रशिक्षुओं, शोधार्थियों एवं अनुसंधानकर्ताओं आदि का ज्ञानवर्धन कर उनका मार्ग प्रशस्त करेगा।

सधन्यवाद

प्राचार्य

डॉ. नीतू चावला

राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कॉलेज, गाज़ियाबाद